Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Jain Kumarsambhava Mahakavya

Folder No.	002679
Granth Name	Jain Kumarsambhava Mahakavya
Mule Author	Jayshekharsuri
Editor	Dr. Ashok Kumar Jain
Translator	Dr. Rameshchandra Jain
Publisher	Prakrit Bharati Academy – Jaipur
Edition	1
Year	2003
Pages	266

जैन कुमारसम्भव महाकाव्य

फोल्डर नं.	००२६७९
ग्रन्थ	जैन कुमारसम्भव महाकाव्य
मूल	जयशेखरसूरि
संपादक	डॉ. अशोक कुमार सिंह
अनुवादक	डॉ. रमेशचन्द्र जैन
प्रकाशक	प्राकृत भारती एकेडमी – जयपुर
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२००३
पृष्ठ	२६६

मुख्य टाईटल
प्रकाशकीय
विषयानुक्रम
प्रस्तावना ---------- १
जैनकुमारसम्भव एक परिचय ---------- १४
जैनकुमारसम्भव महाकाव्य सानुवाद----------
प्रथम सर्ग ---------- १
द्वितीय सर्ग ---------- १९
तृतीय सर्ग ---------- ३५
चतुर्थ सर्ग ---------- ५१

पञ्चम सर्ग -- ६८
षष्ठ सर्ग -- ८५
सप्तम सर्ग -- १००
अष्टम सर्ग -- ११३
नवम सर्ग -- १२६
दशम सर्ग -- १४१
एकादश सर्ग -- १५९
परिशिष्ट
जैनकुमारसंभव महाकाव्य में आगत सूक्तियाँ -- १७३
जैन कुमार सम्भव काव्य के पधों का अकारानुक्रम --- १७७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org